दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-67
मुरादाबाद
27 June 2024
(Thursday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

PM मोदी ने ओम बिरला के पिछले कार्यकाल को बताया ऐतिहासिक; राहुल बोले- सदन जनता की आवाज

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को संबोधित करते हुए कहा, आप समझ सकते हैं कि स्पीकर का काम कितना मुश्किल है कि उनका जीतना मुश्किल हो जाता है। आपने दोबारा जीतकर नया इतिहास गढ़ा है।%ओम बिरला के लोकसभा स्पीकर चुने जाने के बाद 18वीं लोकसभा के अपने पहले संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ये सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के पद पर विराजमान हुए हैं। आपको और इस पूरे सदन को मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई। इस पूरे

सदन की तरफ से भी आपको अनेक-अनेक शुभकामनाएं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होने से आपको बहुत बड़ा दायित्व मिल रहा है। आपके अनुभव और हमारे अनुभव से हमें विश्वास है कि आप हम सभी का मार्गदर्शन करेंगे। मुझे विश्वास है आप हर कदम पर नए कीर्तिमान गढ़ते रहेंगे।स्पीकर का दूसरी बार जीतना मुश्किल होता है प्रधानमंत्री ने कहा 18वीं लोकसभा में स्पीकर का कार्यभार दूसरी बार संभालना अपने आप में रिकॉर्ड है। बलराम जाखड़ जी पहले ऐसे अध्यक्ष थे, जो लगातार दो बार अपना कार्यकाल पूरा कर पाए थे। उनके बाद अब आपको यह मौका मिल रहा है। ज्यादातर स्पीकर या तो चुनाव नहीं लड़े हैं या जीतकर नहीं आए हैं। आप समझ सकते हैं कि स्पीकर का काम कितना मुश्किल है कि उनका जीतना मुश्किल हो जाता है। आपने दोबारा जीतकर नया इतिहास गढ़ा है। इस सदन के ज्यादातर सासंद आपसे परिचित हैं और पिछली बार मैंने आपके संबंध में काफी कुछ बातें रखीं थी। आज उन्हें दोहराऊंगा नहीं लेकिन आप जिस तरह से सांसद के रूप में काम करते हैं, वह जानने योग्य और सीखने योग्य हैं। युवा सांसद भी आपसे प्रेरणा लेंगे। आपने अपने क्षेत्र में जिस तरह से स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु अभियान चलाया, वह वाकई प्रेरक है। आप लगातार अपने संसदीय क्षेत्र में लोगों की सेवा करते रहते हैं। खेलों में युवाओं को प्रोत्साहन देना भी आपने प्राथमिकता से किया है। 17वीं लोकसभा के कार्यकाल की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा आपका पिछला कार्यकाल संसदीय लोकतंत्र का ऐतिहासिक कालखंड रहा है। वह अपने आप में सदन की भी और आपकी भी विरासत है। आपकी अध्यक्षता में नारी शक्ति वंदन बिल, जम्मू कश्मीर पुनर्गठन, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, मुस्लिम महिला विवाह अधिकार कानून, डायरेक्ट टैक्स समेत कई अहम सामाजिक, आर्थिक और नागरिक कानून पास हुए। जो काम आजादी के 70 साल में नहीं हुए, वो आपकी अध्यक्षता में हुए। लोकतंत्र की लंबी यात्रा में कई पड़ाव आते हैं। कुछ अवसर ऐसे होते हैं, जब हमें कीर्तिमान स्थापित करने का मौका मिलता है। 17वीं लोकसभा पर देश आज भी और भविष्य में भी उस पर गौरव करेगा। संसद, देश की जनता की आशा की प्रतीक- पीएम मोदी ने कहा, हमारा संसद भवन सिर्फ चारदीवारी नहीं। ये देश की जनता का आशा का प्रतीक है। संसद की कार्यवाही लोकतंत्र को और मजबूत बनाती है। 17वीं लोकसभा की उत्पादकता 97 प्रतिशत रही और उसके लिए सभी सदस्यों के साथ ही आप विशेष अभिनंदन के अधिकारी हैं। कोरोना के मुश्किल समय में आपने हर सांसद से फोन करके व्यक्तिगत हालचाल पूछा। कोरोना के समय में संसद का काम रुका नहीं। आपने जो फैसले किए, उसी का परिणाम है कि हम मुश्किल समय में भी काम कर पाए है। आपने कभी कभी कठोरता के साथ भी फैसले लिए। ऐसे फैसलों से आपको पीड़ा भी हुई, लेकिन आपने संसद की गरिमा और व्यक्तिगत पीड़ा में से आपने संसद की गरिमा का चुनाव किया। मुझे विश्वास है कि आप तो सफल होंगे ही, लेकिन आपकी अध्यक्षता में ये संसद भी देश की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। मैं आपको और इस संसद को बहुत बधाई देता हूं। राहुल गांधी बोले- विपक्ष की भी सुनें- विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा, मैं आपको दूसरी बार स्पीकर चुने जाने के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैं आपको पूरे विपक्ष और INDIA गठबंधन की तरफ से बधाई देना चाहता हूं। यह सदन भारत के लोगों की आवाज़ का प्रतिनिधित्व करता है और आप उस आवाज़ के अंतिम निर्णायक हैं। सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज़ का प्रतिनिधित्व करता है और इस बार विपक्ष ने पिछली बार की तुलना में भारतीय लोगों की आवाज़ का अधिक प्रतिनिधित्व किया है। विपक्ष आपके काम करने में आपकी सहायता करना चाहेगा। हम चाहते हैं कि सदन अक्सर और अच्छी तरह से चले। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विश्वास के आधार पर सहयोग हो। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विपक्ष की आवाज़ को इस सदन में प्रतिनिधित्व दिया जाए।% पीएम मोदी ने लोकसभा स्पीकर की सराहना की- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोकसभा में आपातकाल की निंदा करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की सराहना की और कहा कि उन दिनों के पीड़ितों के सम्मान में मौन रखना एक अच्छा भाव था। बिरला ने लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार की आलोचना की। कांग्रेस सांसदों और कुछ अन्य विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच बड़ी संख्या में सांसद कुछ क्षणों के लिए मौन रहे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा, %मुझे खुशी है कि माननीय अध्यक्ष ने आपातकाल की कड़ी निंदा की, उस दौरान की गई ज्यादतियों को उजागर किया और यह भी उल्लेख किया कि किस तरह से लोकतंत्र का गला घोंटा गया था। उन्होंने कहा कि आपातकाल 50 साल पहले लगाया गया था, लेकिन आज के युवाओं के लिए इसके बारे में जानना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह इस बात का एक उदाहरण है कि जब संविधान को रौंदा जाता है, जनमत को दबाया जाता है और संस्थाओं को नष्ट किया जाता है, तो क्या होता है। मोदी ने कहा कि आपातकाल के दौरान की घटनाएं इस बात का उदाहरण हैं कि तानाशाही कैसी होती है।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की थी संभावना, घबराई भाजपा ने CBI का लिया सहारा; सुनीता केजरीवाल का आरोप

सुनीता केजरीवाल ने सीबीआई द्वारा अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पूरी व्यवस्था पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यह सब तानाशाही और आपातकाल के समान है। भाजपा घबरा गई और उन्हें फर्जी मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार करवा दिया गया। सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने बुधवार को आरोप लगाया कि पूरी व्यवस्था यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उनके पति जेल से बाहर न आएं। उन्होंने कहा कि यह सब तानाशाही और आपातकाल के समान है। आप ने कहा कि जब केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की संभावना थी तो भाजपा घबरा गई और उन्हें फर्जी मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार करवा दिया गया।केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया और भ्रष्टाचार मामले में पांच दिन की हिरासत मांगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सुनीता ने कहा कि उनके पति को 20 जून को उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत मिल गई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से तुरंत रोक लग गई।सुनीता केजरीवाल ने कहा कि अगले ही दिन, सीबीआई ने उन्हें आरोपी बना दिया और आज उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पूरा सिस्टम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है

आपातकाल पर प्रस्ताव: विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में रखा गया मौन; बिरला बोले- वह दौर इतिहास का काला धब्बा

आज लोकसभा में आपातकाल पर पेश किए गए प्रस्ताव पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि ये सदन 1975 में देश में आपातकाल लगाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा करता है। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार ओम बिरला लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए। कुर्सी संभालते ही बिरला ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और सदन के सभी सदस्यों धन्यवाद किया। साथ ही आपातकाल की निंदा की। इस दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, %प्रधानमंत्री मोदी और सदन के सभी सदस्यों को मुझे फिर से सदन के अध्यक्ष के रूप में दायित्व निर्वाहन करने का अवसर देने के लिए सबका आभार व्यक्त करता हूं। मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए भी मैं सभी का आभारी हूं।उन्होंने आगे कहा, यह 18वीं लोकसभा लोकतंत्र का विश्व का सबसे बड़ा उत्सव है। अन्य चुनौतियों के बावजूद 64 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ चुनाव में भाग लिया। मैं सदन की ओर से उनका और देश की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। निष्पक्ष, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव प्रक्रिया संचालित करने के लिए और दूर-दराज के क्षेत्रों में भी एक भी वोट पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा किए गए प्रयासों के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।% तीसरी बार एनडीए सरकार बनी ओम बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। पिछले एक दशक में लोगों की अपेक्षाएं, आशाएं और आकांक्षाएं बढ़ी हैं। इसलिए, यह हमारा दायित्व बनता है कि उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को प्रभावी तरीके से पूरा करने के लिए हम सामूहिक प्रयास करें। आपातकाल लगाने के निर्णय की निंदा की- आज लोकसभा में आपातकाल पर पेश किए गए प्रस्ताव पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, %ये सदन 1975 में देश में आपातकाल (इमरजेंसी) लगाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसके साथ ही हम, उन सभी लोगों की संकल्पशक्ति की सराहना करते हैं, जिन्होंने आपातकाल का पुरजोर विरोध किया, अभूतपूर्व संघर्ष किया और भारत के लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व निभाया।% आपातकाल इतिहास का काला धब्बा- इस पर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। मगर ओम बिरला ने बोलना जारी रखा। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में 25 जून 1975 के उस दिन को हमेशा एक काले अध्याय के रूप में जाना जाएगा। इसी दिन तत्कालीन

प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई और बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान पर प्रचंड प्रहार किया था। भारत की पहचान पूरी दुनिया में 'लोकतंत्र की जननी' के तौर पर है। भारत में हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और वाद-संवाद का संवर्धन हुआ, हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा की गई, उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया गया। ऐसे भारत पर श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा तानाशाही थोप दी गई, भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया। नागरिकों से उनकी आजादी छीन ली गई- उन्होंने कहा, इमरजेंसी के दौरान भारत के नागरिकों के अधिकार नष्ट कर दिए गए, नागरिकों से उनकी आजादी छीन ली गई। ये वो दौर था जब विपक्ष के नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया, पूरे देश को जेलखाना बना दिया गया था। तब की तानाशाही सरकार ने मीडिया पर अनेक पाबंदियां लगा दी थीं और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था। इमरजेंसी का वो समय हमारे देश के इतिहास में एक 'अन्याय काल' था, एक काला कालखंड था। मीसा के तहत गिरफ्तार लोगों को न्याय नहीं दे पाएं लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, आपातकाल (इमरजेंसी) लगाने के बाद उस समय की कांग्रेस सरकार ने कई ऐसे निर्णय किए, जिन्होंने हमारे संविधान की भावना को कुचलने का काम किया। क्रूर और निर्दयी मेंटेनेन्स ऑफ इंटरनल सेक्योरिटी एक्ट (मीसा) में बदलाव करके कांग्रेस पार्टी द्वारा ये सुनिश्चित किया गया कि हमारी अदालतें मीसा के तहत गिरफ्तार लोगों को न्याय नहीं दे पाएं। मीडिया को सच लिखने से रोकने के लिए पार्लियामेंट्री प्रोसिडिंग्स (प्रोटेक्शन ऑफ पब्लिकेशन) रिपील एक्ट, प्रेस काउंसिल (रिपील) एक्ट और प्रिवेन्शन ऑफ पब्लिकेशन ऑफ ऑब्जेक्शनेबल मैटर एक्ट लाए गए। इस काले कालखंड में ही संविधान में 38वां, 39वां, 40वां, 41वां और 42वां संशोधन किया गया।% उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए इन संशोधनों का लक्ष्य था कि सारी शक्तियां एक व्यक्ति के पास आ जाएं, न्यायपालिका पर नियंत्रण हो और संविधान के मूल सिद्धांत खत्म किए जा सकें। ऐसा करके नागरिकों के अधिकारों का दमन किया गया और लोकतंत्र के सिद्धांतों पर आघात किया गया। इतना ही नहीं, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कमिटेड ब्यूरोक्रेसी और कमिटेड ज्यूडिशियरी की भी बात कही, जो कि उनकी लोकतंत्र विरोधी रवैये का एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी अपने साथ ऐसी असामाजिक और तानाशाही की भावना से भरी भयंकर कुनीतियां लेकर आई, जिसने गरीबों, दलितों और वंचितों का जीवन तबाह कर दिया। इमरजेंसी के दौरान लोगों को कांग्रेस सरकार द्वारा जबरन थोपी गई अनिवार्य नसबंदी का, शहरों में अतिक्रमण हटाने के नाम पर की गई मनमानी का और सरकार की कुनीतियों का प्रहार झेलना पड़ा। ये सदन उन सभी लोगों के प्रति संवेदना जताना चाहता है। 1975 से 1977 का अपने आप में एक कालखंड- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, 1975 से 1977 का वो काला कालखंड अपने आप में एक ऐसा कालखंड है, जो हमें संविधान के सिद्धांतों, संघीय ढांचे और न्यायिक स्वतंत्रता के महत्व की याद दिलाता है। ये कालखंड हमें याद दिलाता है कि कैसे उस समय इन सभी पर हमला किया गया और क्यों इनकी रक्षा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब हम आपातकाल के 50वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, ये 18वीं लोकसभा, बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को बनाए रखने, इसकी रक्षा करने और इसे संरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। हम भारत में लोकतंत्र के सिद्धांत, देश में कानून का शासन और शक्तियों का विकेंद्रीकरण अक्षुण्ण रखने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हम संवैधानिक संस्थाओं में भारत के लोगों की आस्था और उनके अभूतपूर्व संघर्ष, जिसके कारण इमरजेंसी का अंत हुआ, और एक बार फिर संवैधानिक शासन की स्थापना हुई, उसकी सराहना करते हैं। 1975 में आज 26 जून के दिन ही देश इमरजेंसी की क्रूर सच्चाइयों का सामना करते हुए उठा था।

'विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए मत विभाजन की मांग नहीं की', जयराम रमेश बोले- सहयोग का भाव जरूरी

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि विपक्षी गठबंधन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में सर्वसम्मति और सहयोग की भावना के साथ काम करना चाहता था। उन्होंने कहा कि इस वजह से विपक्ष मत विभाजन के पक्ष में नहीं था। एक तरफ तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए पर सवाल उठाए हैं। उधर, इस मामले गठबंधन ने अध्यक्ष के चुनाव के लिए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का मामले में सर्वसम्मति और सहयोग की था। जयराम रमेश ने आगे कहा कोडिकुन्निल सुरेश को लोकसभा था। इसके बाद ध्वनिमत के आधार इंडिया (INDIA) के घटक दल

मत विभाजन की अनुमति न मिलने में कांग्रेस का कहना है कि विपक्षी मत विभाजन की मांग नहीं की। कहना है कि विपक्षी गठबंधन इस भावना के साथ काम करना चाहता 'विपक्षी गठबंधन के घटक दलों ने अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया पर अध्यक्ष का चुनाव किया गया। मत विभाजन पर जोर डाल सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया क्योंकि वे सहमति और सहयोग की भावना के आधार पर मत विभाजन करने के पक्ष में नहीं थे। प्रधानमंत्री और एनडीए के हावभाव में इसकी कमी देखने को मिली।'आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के सांसद और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार ओम बिरला को ध्वनिमत से लोकसभा अध्यक्ष चुना गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। विपक्ष की ओर से कोडिकुन्निल सुरेश के नाम का प्रस्ताव रखा गया था। इसके बाद ध्वनिमत के आधार पर ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के लिए आमंत्रित किया गया।

संपादकीय Editorial

Is NTA a 'mega scam'?

The sanctity of the exams under the National Examination Agency (NTA) and NEET has been violated, the careers and futures of lakhs of youth are hanging in the balance, these issues are not limited to this. NTA is a 'mega scam' of the nexus of a corrupt and malpractice network. The exam mafia is active in the background. There are not only conspiracies of paper leak and solver gangs, but there are also 'big fishes' for whose children the online window of NTA was opened a few days before the NEET exam so that they could register for the exam. More than 24,000 registrations were done during that period. It should also be investigated that when the window of NTA was opened in February and March, why did these people not register? The irregularities in the NEET medical entrance exam are coming to light. The question is, do the parents who can spend 40 lakh rupees on question papers to make their child pass the exam, want to produce 'Munnabhai MBBS' in the country? This is a highly punishable crime. Apart from the NEET issue, UGC NET, Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) and NEET-PG exams have also been cancelled or postponed. In this way, the future of more than 37 lakh youth has become extremely uncertain. This is not a normal thing. After all, how long will those youth keep giving exams? Age is also slipping away, so job is also a necessity. Why is the question and blame of these wastes on NTA only? The central government should also think about this and investigate NTA. NTA's process, examination system, compulsion of outsourcing, lack of expertise and corruption at the root etc. are such basic reasons that demands are being made to end this institution itself. The protests of the youth have become so fierce and widespread that NTA Director General Subodh Kumar Singh had to be removed and a retired IAS officer Pradeep Singh Kharola had to be given the responsibility of this post. Handing over the examination system and its honest, professional mechanism to the IAS lobby is not a meaningful solution. The Union Education Ministry has formed a special committee. Of course, it includes great intellectual faces of the type of experts, but they cannot provide solutions to the technology, examination techniques and contradictions of NTA. This is a completely different area of ????their expertise. The committee has been given two months' time. The cases of NTA and NEET exam are also pending in the Supreme Court, the hearing of which is on July 8. The CBI has registered an FIR and started investigating the paper leak and the network behind it. Some arrests have also been made. What will be the conclusion of the CBI investigation and when it will come, is also uncertain. The central government has also implemented a law. The very serious question is what will happen to the young students in this period of uncertainty? NEET candidates are also divided. Will the successful candidates be allotted their medical colleges or will the NEET result be cancelled and the exam be held again? If the committee and the court give different decisions, what will the young candidates do? Will those who have passed the exam not be able to start studying medicine, this is a very important question. Apart from the existence of NTA and internal reforms, many more questions have arisen. Certainly, this is a serious challenge for the Modi government. It has also become a political controversy and opposition leaders are demanding the resignation of Education Minister Dharmendra Pradhan. However, the work of the special committee should not be of bureaucratic type, because it will not be able to free the system from loopholes. Like America, exams can be conducted twice a year or more, because we also have the problem of population.

Economy: Credit rating agencies are expressing trust in India, economic credibility is increasing in the world

Institutions that assess sovereign credit ratings of different countries are very excited about India's economic progress. Global credit rating agency Standard & Poor's has recently made its outlook positive regarding the Indian economy and said that it is studying and analyzing various parameters of economic development and fiscal deficit related data to upgrade India's sovereign credit rating. If there is improvement in both areas, then India's sovereign credit rating can be upgraded. Currently, India's sovereign credit rating is BBB-, which falls in the category of the lowest rating for investment. When the sovereign credit rating of any country is upgraded, foreign investment in that country starts increasing, because investors find capital investment in these countries comparatively safe. Also, it is not only easier for companies of such countries to raise capital in other countries, but they also have to pay less interest on loans. A new government has been formed at the Centre under the leadership of Prime Minister Narendra Modi. The country has benefited greatly from the economic decisions taken by the Central Government during the last ten years. India has become the fastest growing economy in the world today. Financial inclusion has taken place on a large scale in the country. More than 50 crore bank savings accounts have been opened under the Jan Dhan Yojana, in which an amount of about Rs 2.50 lakh crore is deposited. New employment opportunities have been created. Per capita income in the country has also increased to about 2200 US dollars per annum. In some states, the income of farmers has more than doubled. Foreign investment has also started coming in India in large amounts and multinational companies have started setting up their manufacturing units in India. The rate of economic growth in India has been more than eight percent in the financial year 2023-24. India is constantly making efforts to develop infrastructure to further accelerate the pace of its economic development. The development of infrastructure has improved productivity and reduced the cost of production. S&P also says that the kind of economic policies India is implementing can keep India's economic growth rate above eight percent for a long time. India has also controlled its fiscal deficit. India's fiscal deficit in the financial year 2022-23 was Rs 17 lakh 74 thousand crore, which has come down to Rs 16 lakh 54 thousand crore in the financial year 2023-24. Developed countries like America, Britain, France, Germany are also not able to reduce their fiscal deficit, but India has achieved this great success during the year 2023-24. The central government has controlled expenditure and increased its sources of income. There are concerns about the fiscal deficit in some states of India (Punjab, West Bengal, Kerala etc.), but the central government and some other states (Uttar Pradesh, Maharashtra, Gujarat, Rajasthan, Tamil Nadu etc.) are successfully controlling their fiscal deficit. India has also been successful in reducing the fiscal deficit because only one tax system, the Goods and Services Tax System (GST), has been implemented by combining more than 20 taxes in the country. Today, India is receiving an average amount of Rs 1.75 lakh crore per month as indirect tax from GST. There has also been a 20 percent increase in the collection of direct tax. Overall, various institutions that assess the sovereign credit rating of various countries at the international level are very excited about India's economic progress and are seen seriously considering upgrading it. Standard & Poor has even announced that it will be reviewing India's economic progress, efforts to develop infrastructure and reduce fiscal deficit for the next two years. It is quite possible that it will upgrade India's sovereign credit rating in the next two years.

Politics: South's politics at a different turn, the central government will have to take steps carefully

Many MPs from the south feel that the Modi government is for North Indians. Many leaders are propagating such a narrative, which is dangerous. Also, to stop the growth of Hindutva, Dravidian ideology is being promoted among the youth with a feeling of revenge, due to which social division is at its peak in Tamil Nadu. The politics of South India is taking a different turn. Will this force the Modi government to adopt an aggressive stance in the south? The kind of indications that are being received, it seems that competing with Andhra Pradesh, CPI(M), DMK and Congress can demand special financial status for Kerala and Tamil Nadu. Since the Telugu Desam Party (TDP) has become a part of the National Democratic Alliance (NDA), it is possible that its demand may get support from the central government. Northern states, especially Bihar, are also demanding such special financial status. Therefore, the central government will have to take steps carefully. The DMK government in Tamil Nadu is currently facing an anti-incumbency wave, as recently 57 people have died in Kallakurichi after consuming illicit poisonous liquor and the condition of many people remains critical. The Madras High Court also reprimanded the state government for this. It is worth noting that last year also there was an incident of liquor tragedy in the state, in which 22 people died. But the state government had described it as methanol and not illicit liquor. AIADMK and BJP have criticized the state government on this incident. Due to the poor performance of the DMK government led by MK Stalin, after the death of Jayalalithaa, different factions of AIADMK are getting a new lease of life. 130 MPs are elected from South India to the Lok Sabha, most of them feel that the Modi government is for the North Indians. Such a narrative is being propagated effectively by many leaders, which is dangerous for democracy. Adding fuel to the fire, the DMK government in Tamil Nadu constituted a high-powered committee headed by Justice Chandru, which recommended far-reaching reforms in the state's schools. To stop the growth of Modi-led Hindutva, Dravidian ideology is being promoted in the minds of the youth with a feeling of vengeance, due to which social divisions are at their peak in Tamil Nadu. The Chandru committee recommended that the Tamil Nadu government should stop students from wearing coloured wrist bands or rings indicating their caste identity and applying tilak on the forehead in schools to end caste discrimination. The committee has also recommended removing caste-indicating words from the names of schools. It says remove tilak from forehead, not kumkum chandan. School students should tie their long hair like a bunch. Justice Chandru's report has many important recommendations. However, in the meantime, social activists say that there is a need for change in the society. For example, the recommendation to remove caste prefixes from the names of schools like 'Kallahar Reclamation' and 'Adi Dravida Welfare' and calling them government schools is important. But just changing the name will not change the reality. The DMK made a lot of election promises in 2021, but there is no sign of implementing them at the government level. The Congress party is in power in Karnataka and Telangana, yet the BJP defeated the Congress badly there. In Andhra Pradesh, the Telugu Desam Party won the assembly with 95 percent of the seats. The BJP was in alliance with the TDP and Pawan Kalyan Sena there. In Tamil Nadu, the BJP increased its vote share, but failed to win a single seat in the Lok Sabha. Jagan Reddy says that the TDP is taking political revenge on the YSR Congress by demolishing his party offices and private residences in Andhra Pradesh. Obviously, the BJP has benefited from its 'Look South Policy'. For the first time in Kerala, a BJP MP has been elected. Saffron has made a dent in the Red Fort. Probably for this reason, the Rashtriya Swayamsevak Sangh is calling a meeting in Palakkad, Kerala to review the defeat of Hindutva in the 2024 Lok Sabha elections. If we analyse, Prime Minister Narendra Modi, Amit Shah, Yogi Adityanath, Rajnath Singh are popular faces in the South. Similarly, people know Rahul Gandhi, Priyanka Gandhi and Akhilesh Yadav very well. This is the reason why Priyanka Gandhi chose Wayanad Lok Sabha. And there is no doubt that Priyanka Gandhi will easily win there due to the minority dominated population. The Congress government of Karnataka has openly declared a separate flag for its state and a state anthem by sidelining the national anthem 'Jana Gana Mana'. Whatever is happening in the South is a subject of serious study. But no effort is being made to reform. In such a situation, there is a fear that separatist mentality may raise its head. Analysing the speeches of South Indian leaders during the Lok Sabha election campaign, it seems that some foreign powers are behind the separate southern voice. National security agencies should consider this rise and study it seriously, otherwise anti-national forces will dominate. Such a situation is a warning of a serious danger to nationalism. This is what we learn from the story of six states of South India. Now it remains to be seen whether Modi The government has the political will to crush this kind of mentality!

यूपी में बीफ पर बवाल: अफगान कैफे में नावेद बेच रहा था बीफ बर्गर, मैन्यू कार्ड से खुली पोल... आरोपी गिरफ्तार

संचालक ने मैन्यू कार्ड भी छपवा रखा था, जिसमें बीफ बर्गर 110 रुपये रेट लिखा है। कैफे पर रोज बड़ी संख्या में ग्राहक जुट रहे थे। मुरादाबाद के मुगलपुरा थाना क्षेत्र स्थित अफगान कैफे में ग्राहकों को बीफ बर्गर परोसा जा रहा था। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को इनकी भनक लगी तो उन्होंने

मुगलपुरा थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपी संचालक नावेद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कैफे को बंद करा दिया है।मुगलपुरा निवासी नावेद ने कुछ दिन पहले ही जामा मस्जिद-प्रिंस रोड पर अफगान नाम से कैफे खोला था। संचालक ने मैन्यू कार्ड भी छपवा रखा था, जिसमें बीफ बर्गर 110 रुपये रेट लिखा है। कैफे पर रोज बड़ी संख्या में ग्राहक जुट रहे थे। मुगलपुरा के कानून गोयन हाथी वाला मंदिर निवासी एवं बजरंग दल के महानगर संयोजक अभिनव भटनागर के पास मैन्यू कार्ड पहुंचा तो उन्होंने अन्य कार्यकर्ताओं से इस पर चर्चा की और मुगलपुरा थाने पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर कैफे संचालक पर कार्रवाई की मांग की। कैफे का मैन्यू कार्ड भी पुलिस को दिखाया। इसके बाद पुलिस टीम कैफे पर पहुंच गई और जांच पड़ताल की। कैफे संचालक पर लगाए गए आरोप सही पाए गए। इसके बावजूद भी पुलिस ने कार्रवाई करने में देरी की तो कार्यकर्ता हंगामा करने लगे। उन्होंने पुलिस को चेतावनी दी कि अगर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी तो वह धरना प्रदर्शन करेंगे। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने उच्च अधिकारियों को इस मामले की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस कार्रवाई करने को तैयार हुई। अभिनव भटनागर की तहरीर पर पुलिस ने कैफे संचालक के खिलाफ आईपीसी की धारा 505 (2) (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) में केस दर्ज कर लिया है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि आरोपी कैफे संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया है। आरोपी का कैफे भी बंद करा दिया गया है।

मुठभेड़ के दौरान दो गो तस्करों के पैर में लगी गोली, तीन मौके से फरार; तलाश में पुलिस

मुरादाबाद पुलिस की फायरिंग में जिला मुरादाबाद स्थित थाना बिलारी के ग्राम आंवला निवासी बबलू, जिला संभल के थाना नखासा के ग्राम लोधी सराय निवासी समीर घायल हो गए। उनका तीसरा साथी कोतवाली मिलक के ग्राम रेवाड़ी कला निवासी अबरार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।बुधवार को मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी कि बलभद्रपुर गांव के जंगल में गो तस्कर पशु को काट रहे हैं। सूचना मिलने पर कोतवाल सुबह पांच बजे पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे।

पुलिस को देखते ही गो तस्करों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी फायरिंग की। फायरिंग में दो बदमाशों को गोली लग गई। वहीं मौके से तीन बदमाश फरार होने में सफल रहे। पुलिस की फायरिंग में जिला मुरादाबाद स्थित थाना बिलारी के ग्राम आंवला निवासी बबलू, जिला संभल के थाना नखासा के ग्राम लोधी सराय निवासी समीर घायल हो गए। उनका तीसरा साथी कोतवाली मिलक के ग्राम रेवाड़ी कला निवासी अबरार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं, फायरिंग के दौरान पुलिस को चकमा देकर थाना शाहबाद के बड़ा गांव निवासी सलीम, जिला मुरादाबाद के थाना बिलारी स्थित ग्राम सहसपुर निवासी बाबर उर्फ शरीफ और कोतवाली मिलक के रेवाड़ी खुर्द निवासी रिजवान उर्फ छोटा फरार होने में कामयाब हो गए। पुलिस को मौके से 315 बोर के दो तमंचे, चार कारतूस, एक चाकू, गोवंशीय पशु का 80 किलो मांस, गोवंश काटने के उपकरण, एक मोटरसाइकिल और एक टोयोटा कोरोला कार बरामद हुई। पुलिस ने फायरिंग में घायल हुए दोनों बदमाशों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। भाई कोतवाल धनंजय सिंह ने बताया कि मुख्य द्वार द्वारा सूचना मिली थी कि जंगल में कुछ लोग गोवंश पशु का बध कर रहे हैं। तभी मौके पर पहुंचकर हमने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं तीन लोग मौके से फरार हो गए। गोली लगने से घायल दोनों आरोपियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

गायक मिलिंद गाबा के शो में भगदड़: मारपीट में एक का सिर फटा, महिला कांस्टेबल के पैर पर गिरा लोहे का बैरिकेडिंग

मुरादाबाद में जिगर मंच पर मिलिंद गाबा को सुनने पहुंचे श्रोताओं की भीड़ बेकाबू हो गई। भारी हंगामे के कारण भगदड़ मची तो मारपीट में एक युवक सिर फटा गया। जबकि महिला कांस्टेबल शालिनी वर्मा के पैर पर लोहे के बैरिकेडिंग गिर गया। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने फ्रेक्चर की आशंका जताई है। इमरजेंसी में महिला कांस्टेबल का एक्स-रे कराने के लिए स्टाफ को निर्देशित किया गया। वहीं घायल युवक को उसके साथी किसी स्थानीय क्लीनिक पर ले गए।

गाबा के मंच पर पहुंचते ही लाइव शो में पीछे खड़ी भीड़ बेकाबू हो रही थी। पुलिसकर्मी बार-बार लाठियां फटकार कर लोगों को पीछे हटाने के प्रयास में जुटे थे। इसी बीच भीड़ में भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। मारपीट में युवक का सिर फट और व्यवस्थाएं बनाने में कांस्टेबल के चोट आ गई।गाबा के मंच पर पहुंचते ही लाइव शो में पीछे खड़ी भीड़ बेकाबू हो रही थी। पुलिसकर्मी बार-बार लाठियां फटकार कर लोगों को पीछे हटाने के प्रयास में जुटे थे। इसी बीच भीड़ में भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। मारपीट में युवक का सिर फट और व्यवस्थाएं बनाने में कांस्टेबल के चोट आ गई। इसके बाद भी युवक पुलिसकर्मियों से नोकझोंक करने लगा। बमुश्किल उसे समझाकर ड्रेसिंग के लिए भेजा गया। हुड़दंग मचा रहे अन्य युवकों को भी पुलिस ने डांटकर समझाया। रात 11:30 बजे गायक मंच से उतरे तो लोग उनके पीछे सेल्फी के लिए दौड़ने लगे। इससे भी किसी को चोट लग सकती थी लेकिन पुलिस कर्मियों ने पहले ही सुरक्षा घेरा बना रखा था।गायक के देरी से पहुंचने के कारण भी हुईं अव्यवस्थाएं- मिलिंद गाबा के नखरे प्रदर्शनी समिति व कार्यक्रम के आयोजकों को दोपहर से ही झेलने पड़े। गायक व उनकी टीम के ठहरने के लिए एक होटल में व्यवस्था की गई थी। मिलिंद ने साफ इनकार कर दिया कि वह फाइव स्टार से कम किसी होटल में नहीं ठहरेंगे। जल्दबाजी में आयोजकों को होटल होलिडे रीजेंसी में व्यवस्था करनी पड़ी। इसके बाद कार्यक्रम रात 8:30 बजे से शुरू होना था लेकिन मिलिंद गाबा 10 बजे तक मंच पर नहीं पहुंचे। तब तक लोगों को संभालना मुश्किल हो गया। मंच पर छोटी बच्ची आनिया की नृत्य प्रस्तुति से थोड़ी देर समय प्रबंधन किया गया। दिव्यांग फैन को गाबा ने सौंपा माइक... बोले शो तू करले- गाबा का एक दिव्यांग फैन अमित कुमार उनकी तस्वीर बनाकर लाया था। उसे देने के लिए मंच पर पहुंच गया। बाउंसर्स ने भी उसे जाने दिया। गाबा ने फैन के प्रति स्नेह दिखाया और स्केच के लिए उसे धन्यवाद कहा। अमित ने मिलिंद को बताया कि वह भी संगीत सीख रहा है तो गायक ने उसे माइक सौंप दिया। अमित ने मेरी आशिकी बस तुम ही हो, सुन रहा हा न तू गीत सुनाया। एक और गीत गाने के लिए कहा तो गाबा ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शो तू ही कर ले भाई।

अब लहसुन भी सुरक्षित नहीं: किसान के घर का ताला तोड़कर घुसे चोर, लहसुन के साथ-साथ ले गए सिलिंडर

मुरादाबाद किसान फैक्टरी में काम करने गया था, जबकि उसकी पत्नी मायके गई हुई थी। इसके चलते वह घर पर ताला डालकर गया था। रामपुर के मसवासी क्षेत्र के रहमतगंज गांव में चोरों ने किसान के घर का ताला तोड़ दो कट्टे लहसुन व गैस सिलिंडर चोरी कर लिया। घटना के समय गृह स्वामी और उसका परिवार मौजूद नहीं था।

वापस आम पर उसने चौकी पुलिस को तहरीर देदी, लेकिन पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।चौकी क्षेत्र के गांव रहमतगंज निवासी किसान सूरज ने चौकी पुलिस को दी तहरीर में बताया की सोमवार को वह घर से फैक्टरी में काम करने गया था, जबकि उसकी पत्नी मायके गई हुई थी। इसके चलते वह घर पर ताला डालकर गया था। देर शाम जब वह घर वापस आया तो घर में लगा ताला टूटा हुआ था।घर के अंदर जाकर देखा तो लहसुन के दो कट्टे और गैस का सिलिंडर गायब था। आसपास तलाश करने पर भी कोई जानकारी नहीं मिली तब वह चौकी पहुंचा और पुलिस को तहरीर दे दी। पुलिस में घटना स्थल का मुआयना किया है।

संक्षिप्त समाचार

रोहित आर्य ने वृक्ष लगाकर सभी को एक संदेश भी दिया

क्यूँ न लिखूँ सच -एन.राज शर्मा

अमरोहा-भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहित आर्य ने बछरायूं मंडल के बूथ 111 पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पिलखन के वृक्ष लगाएं और उनके संरक्षण हेतु कार्यकर्ता भी नियुक्ति किए रोहित आर्य ने वृक्ष लगाकर सभी को एक संदेश भी दिया अगर प्रकृति को सुरक्षित रखना है तो पैड पोंधो को लगाए जिससे बढ़ रहे प्रदूषण नियंत्रण होगा व जीवन को एक नई ऊर्जा प्राप्त होगी हमे संकल्प लेना चाहिए प्रतिदिन एक वृक्ष जरूर लगाएं वृक्षरोपण समय सुनिल कुमार कपिल मनीष राहुल पंकज रोहताश आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे

ये किसी अजूबे से कम नहीं- यूपी में सात कानों की बछिया ने लिया जन्म, एक देते है सुनाई बाकी छह हैं बंद

मुरादाबाद जेंद्र ने बताया कि उसकी बछिया के सात कानों में से एक कान से ही सुनाई देता है, बाकी बचे सभी छह कान बंद हैं।

बछिया जन्म लेने के बाद शुक्रवार से ही बीमार चल रही है।अमरोहा स्थित आदमपुर क्षेत्र के गांव छपना में एक किसान के घर गाय ने सात कानों की बछिया को जन्म दिया। बछिया के सात कान होने की चर्चा होने पर गांव में कौतूहल बना हुआ है। फिलहाल बछिया बीमार है। उसका उपचार चल रहा है। मामला गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र गांव छपना का है। गांव निवासी किसान विजेंद्र पुत्र लखीराम गाय पालते हैं। शनिवार को उसकी गाय ने एक बछिया को जन्म दिया। जब बछिया को देखा गया तो उसके सात कान थे।बिजेंद्र ने बताया कि उसकी बछिया के सात कानों में से एक कान से ही सुनाई देता है, बाकी बचे सभी छह कान बंद हैं। बछिया जन्म लेने के बाद शुक्रवार से ही बीमार चल रही है। उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. चमन प्रकाश ने बताया कि इस तरह का मामला जानकारी में नहीं है। यदि ऐसा है तो टीम को भेजकर बछिया के स्वास्थ्य की जांच कराई जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली बवाल: पापा गाड़ी में बैठ जाओ.. उसके पास बहुत असलहे हैं; गोलीकांड का एक और लाइव वीडियो आया सामने

बरेली के पीलीभीत बाइपास के किनारे प्लॉट पर कब्जे को लेकर हुई फायरिंग के मामले में इज्जतनगर थाना पुलिस ने तीन और आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। अब तक कुल 17 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। इन तीनों को मिलाकर यह संख्या 20 हो जाएगी।बरेली राजीव राना और आदित्य उपाध्याय के गुटों में जमकर वायरल हो रहे हैं। एक और वीडियो सामने आया है। दिखाई दे रहा है। गोलीबारी में आदित्य उपाध्याय ने अकेले अंदर से बनाया गया पहला वीडियो अब वायरल हो रहा नीचे खड़ी है। कुछ बदमाश प्लॉट में तोड़फोड़ कर रहे हैं। दो सिपाही हैं। एक दरोगा स्कूटी पर बैठकर फोन पर बात से कहता है कि यह क्या हो रहा है? वह फायरिंग करते हुए तमंचों से फायर करते हैं। अभिराज और एक अन्य युवक है पापा गाड़ी में बैठ जाओ, उनके पास बहुत असलहे हैं। करता है। तीन और आरोपी गिरफ्तार - बरेली के के मामले में इज्जतनगर थाना पुलिस ने तीन और आरोपी इन तीनों को मिलाकर यह संख्या 20 हो जाएगी। मुख्य चार टीमों की धरपकड़ का सोमवार को नतीजा नहीं

कलां निवासी मनोज कटियार, प्रेमनगर के नमन गोस्वामी और हर्ष शर्मा को गिरफ्तार किया है। तीनों राजीव राना गुट के हमलावर बताए जा रहे हैं। इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि पुलिस ने इनके कब्जे से एक-एक चाकू बरामद किया है। सभी पर पहले से भी मुकदमे दर्ज हैं। इधर, आदित्य उपाध्याय के सहयोगी अनुज मिश्रा को पुलिस ने दोपहर बाद कोर्ट परिसर के बाहरी हिस्से से पकड़ लिया। वह किसी तारीख के सिलसिले में यहां आया था और पुलिस के हाथ लग गया। हालांकि पुलिस ने अभी उसकी गिरफ्तारी नहीं दिखाई है।

के पीलीभीत बाइपास पर प्लॉट पर कब्जे को लेकर प्रॉपर्टी डीलर फायरिंग हुई थी। इस गोलीकांड के कई वीडियो सोशल मीडिया पर जिसमें मार्बल कारोबारी आदित्य उपाध्याय अकेले गोली बरसता ही फायरिंग की थी। उसका बेटा कार में बैठा थरथरा रहा था। कार के है। वीडियो में दिख रहा है कि लड़कों की भीड़ प्लॉट के पास पेड़ के कई के मुंह पर कपड़ा बंधा है।पुलिस की बाइक भी खड़ी है, जिस पर कर रहा है। कार से बंदूक लेकर आदित्य उतरता है और पुलिसकर्मियों प्लॉट की तरफ बढ़ता है। कई लड़के पथराव करने लगते हैं तो कुछ आदित्य से बार-बार कार में बैठने के लिए कहते हैं। अभिराज कहता फिर गुस्से में अभिराज कार को भीड़ के ऊपर चढ़ाने की कोशिश पीलीभीत बाइपास के किनारे प्लॉट पर कब्जे को लेकर हुई फायरिंग गिरफ्तार कर लिए हैं। अब तक कुल 17 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। आरोपी राजीव राना, केपी यादव का सुराग नहीं लगा है। पुलिस की निकला था। मंगलवार को पुलिस ने भुता थाना क्षेत्र के म्यूडी खुर्द

ग्राम पंचायत में न स्कूल भवन और न बिजली, बारिश के दिनों में देश दुनिया से कट जाता है नाता!

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में एक ऐसा ग्राम पंचायत है जो करीब 35 किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला हुआ है और इसलिए इस पंचायत को क्षेत्रफल के लिहाज से देश का सबसे बड़ा ग्राम पंचायत घोषित करने की मांग लंबे समय से चली आ रही है. छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में एक ऐसा ग्राम पंचायत है जो करीब 35 किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला हुआ है और इसलिए इस पंचायत के क्षेत्रफल के लिहाज से देश का सबसे बड़ा समय से चली आ रही है. लेकिन बरसात के पुल नहीं होने की वजह से देश दुनिया से अलग में शिक्षक भी बरसात के दिनों में बच्चों को बात तो यह है कि अब तक इस पंचायत के में बच्चों को कच्चे मकान में पढ़ाया जाता है पंचायत के पहुंच विहीन क्षेत्र होने की वजह से पहले ही यहां पहुंचा दिया है इस ग्राम पंचायत यहां बिजली नहीं पहुंच सकी है वही बिहार नहीं है यहां 10 साल पूर्व क्रेड़ा विभाग की लेकिन अभी सोलर सिस्टम भी खराब हो गया के आगोश में चले जाते हैं. ग्राम पंचायत खोहिर के क्षेत्र में आता है और इस पंचायत के गांव जनसंख्या 2000 से अधिक है जिसमें पंडो, स्थानीय ग्रामीण बताते हैं कि इस गांव में पूर्व बैजन पाठ के लोगों ने मूलभूत सुविधा नहीं

कर दिया था. इसके बाद सीधे उन्हें भरोसा दिया गया था कि गांव में सभी सुविधाएं पहुंचाई जाएगी. लेकिन सरकार बदल जाने के बाद भी इस गांव में विकास नहीं पहुंच सका है. यह अलग बात है कि गांव में सिंहदेव के पहुंचने के बाद सड़क बनाने के लिए लाखों रुपए स्वीकृत हुए लेकिन वह भी भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ गया. स्थानीय लोगों का कहना है कि वोट के समय सभी पार्टी के नेता गांव में बिजली पानी और सड़क जैसी सुविधाएं पहुंचाने का दावा करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद उनके गांव में कोई आना तक नहीं चाहता. गांव में सड़क बिजली नहीं होने की वजह से लोग यहां के लड़कों के साथ अपनी बेटियों की शादी तक नहीं करना चाहते हैं. बरसात के दिनों में जब किसी का स्वास्थ्य बिगड़ जाता है तो अस्पताल ले जाने के लिए कोई सुविधा नहीं होता और झाड़ फूंक ही एकमात्र सहारा रह जाता है.खोहिर ग्राम पंचायत सूरजपुर जिला मुख्यालय से 120 किलोमीटर दूर ओडगी विकासखंड में स्थित है, इस इलाके में अभी भी कुपोषण और अशिक्षा सबसे बड़ी समस्या है लेकिन इससे निपटने ईमानदारी से प्रयास नहीं किया गया है.

ग्राम पंचायत घोषित करने की मांग लंबे दिनों में यह ग्राम पंचायत सड़क और नदी में हो जाता है. वहीं यहां स्थित सरकारी स्कूलों पढ़ने के लिए नहीं पहुंच पाते हैं. सबसे बड़ी गांव में स्कूल भवन भी नहीं बन पाए हैं, ऐसे तो कई बार पेड़ के नीचे भी. खोहिर ग्राम बरसात के चार महीने का राशन प्रशासन ने में बिजली की भी बड़ी समस्या है अब तक पूर्व क्षेत्र के बीच से अधिक गांव में बिजली तरफ से सोलर सिस्टम लगाया गया था है ऐसे में यहां के लोग शाम ढलते ही अंधेरे का बड़ा हिस्सा गुरु घासीदास नेशनल पार्क बैजनपाठ, लुल, भुण्डा हैं. इस पंचायत की मझवार और गोंड जनजाति के लोग हैं. स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंह देव पहुंचे थे जब मिलने की वजह से गांव छोड़ने का ऐलान

बाल विवाह रोकथाम एवं बेटी बचाओ बेटी पढाओ पर कार्यशाला आयोजित की गई

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देश पर जिले में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश कुमार साहू कि उपस्थिति में आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में बाल विवाह रोकथाम एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर के द्वारा गठित संयुक्त टीम द्वारा निरंतर बाल विवाह रोके जा रहे है। छ.ग. में बाल विवाह का डाटा सबसे ज्यादा सूरजपुर में होने के कारण जिले के समस्त पर्यवेक्षकों का 01 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने सूरजपुर को 03 वर्ष में बाल विवाह मुक्त करने हेतु विस्तार से कार्ययोजना की जानकारी दी। कार्ययोजना तैयार करने हेतु निर्देश दिए गए है। बाल विवाह बाल विवाह होने के कारणों एवं रोकने के सुझाव के विचार लिए जाने हेतु निर्देश दिए गए। वर्ष 2024 में वर्तमान 04 बाल विवाह होने पर अपराध पंजीबद्ध किया गया है। फॉलोअप हेतु परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक को होना पाया जाता है तो अपराध पंजीबद्ध हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में विवाह यूनिसेफ एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल सरपंच एवं सचिवो को पंचायत स्तर पर जागरूक करना एवं उससे पहले गांवों में बाल विवाह ना हो इसे सुनिश्चित दूर हुए बच्चे हैं, मुख्यत: जो ड्रॉप आउट बच्चे हैं उन्हीं का सभी गांव में सभी आ0 बा0 कार्यकर्ता स्कुल त्यागी करेंगे साथ ही जो बच्चीया स्कूल नहीं जा पा रही हैं उसका कढ़ाई, ब्यूटी पार्लर, कम्प्युटर कोंस कराकर रोजगार से

बाल विवाह रोकथाम हेतु कलेक्टर द्वारा विस्तृत रोकने हेतु गठित संयुक्त टीम के समस्त सदस्यों से संबंध में परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों अवधि तक कुल 64 बाल विवाह रोके गए है तथा वर्ष 2024 में रोके गए समस्त बाल विवाह के निर्देश दिए गए है। फॉलोअप में यदि बाल विवाह किया जाना सुनिश्चित करें। बाल विवाह ना हो यह पंजीयन कराया जाना सुनिश्चित करना होगा। विवाह रोकथाम हेतु प्रत्येक आ0 बा0 कार्यकर्ता और किसी भी स्थिति में बाल विवाह को रोकना करना है अपने जिले में बाल विवाह स्कूल शिक्षा से विवाह कराया जाता है। अभी स्कूल खुल रहा है बालिकाओं को स्कूल में नाम लिखवाने हेतु प्रेरित सर्वे करना है उनहे लावलीहुड कॉलेज से सिलाई/ जोड़ना है। गांव, सेक्टर एवं परियोजना स्तर पर परामर्श की व्यवस्था की जाएगी जिसमें उन्हें बाल विवाह से होने वाले दुष्प्रभाव से अवगत कराया जायेगा। आने वाले जुलाई से सभी ऐसे स्थान जहां ज्यादा बाल विवाह की सूचना मिल रही है वहा जागरूकता कार्यक्रम और बाद में पूरे जिले में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। सभी रोके गये बाल विवाह का फिर से फॉलोअप किया जायेगा जहां भी बाल विवाह संपन्न हुए होंगे सभी में अपराध पंजीबद्ध करने की प्रक्रिया कि जायेगी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू ने सभी पर्यवेक्षको को बाल विवाह रोकथाम हेतु सभी प्रयासों को गंभीरता से पूरा करने के निर्देश दिये हैं। मिशन शक्ति के लिए सौ दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान 21 जून से 04 अक्टूबर 2024 तक बेटी बचाओ पढाओ संबंधित कार्यशाला आयोजन किया जायेगा कार्यशाला में लिंग संबधी असमानता को दूर करने हेतु संबंधित कानूनों की जानकारी दी गई। जिसमें पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षको को अपने निचले स्तर पर कार्यरत कर्मचारी, आ0बा0 कार्यक्रता को गर्भवती महिलाओ को लिंग जांच करवाने से रोकने एवं कन्या भ्रुण हत्या करने से रोकने हेतु कानुन की जानकारी देने को कहा गया तथा यदि किसी महिला के परिवार वाले यदि जबरजस्ती उसका गर्भ का लिंग जांच या गर्भपात कराना चाहते हैं तो महिला अपने गर्भ में पल रही बच्ची का जान बचाने हेतु थाना में या सखी सेन्टर में शिकायत कर सकती है उस महिला के संर्घष में हम सभी उसका सहयोग करेंगे तथा जो बच्चो का जन्म दर एक हजार पुरुष पर 916 महिला में असमानता है उसे आगे सुधारा जा सके जिससे समाज में बढ़ते लडकियों के साथ अपराध में कमी आयेगी। इसके अलावा घरेलु हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीडन अधिनियम 2013 अंतर्गत जानकारी दी गई। कार्यशाला में जिले के एल. डी.एम. श्री आनंद मिंज जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू, जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल, महिला संरक्षण अधिकारी श्रीमती इन्द्र कुमारी तिवारी समस्त परियोजना अधिकारी एवं समस्त पर्यवेक्षक उपस्थित रहें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जंगली सूअर के हमले से हुआ अधेड़ घायल प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी - जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खैरा की घटना। आए दिन वन्य प्राणियों से मानव जीवन के लिए खतरा बढ़ता जा रहा है। घटना दिनांक के दिन ग्राम खैरा में निवास रत मंगल दिन साहू रोज की तरह अपने घर से

सुबह 7 बजे भैंस चराने हेतु ग्राम खैरा में बचहा बांध की ओर गया था। दिन में लगभग 10 बजे छांव लेने मंगल दिन साहू झाड़ी के पास जाता है वैसे ही वंश सूअर उसे पर हमला करके घायल कर देता है घायल होने के बाद मंगल दिन साहू कुछ दूर तक भागता है और गिर जाता है वहीं वहीं कुछ दूर खड़े भाग जाता है इसके बाद उपचार हेतु पोस्ट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर परिजनों द्वारा इलाज करवाया गया उसके बाद जिला चिकित्सालय सीधी जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है जहां डॉक्टरों द्वारा पीड़ित की हालत ठीक बताई जा रही है।

निजी चिकित्सक पद हेतु आवेदन आमंत्रित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-अनुसूचित जाति एवं जनजाति स्वस्थ तन स्वस्थ मन (स्वास्थ्य सुरक्षा) योजना वर्ष 2007 अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 हेतु सूरजपुर जिले में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं की अनुपलब्धता वाले छात्रावास एवं आश्रम में निवासरत छात्रों के स्वास्थ्य परीक्षण स्थानीय स्तर पर अनुबंध के आधार पर किये जाने हेतु निजी चिकित्सकों एम.बी.बी.एस. एवं बी.ए.एम.एस. से आवेदन 08 जुलाई सायं 5.30 बजे तक आमंत्रित किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

शासकीय आई.टी.आई. शिवनंदनपुर में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-शासकीय आई.टी.आई शिवनंदनपुर में व्यवसाय स्टेनो (हिन्दी) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 22 जून से 03 जुलाई तक कर सकते हैं। इच्छुक आवेदक छ.ग. के मूल निवासी, स्वयं अथवा किसी भी लोक सेवा केन्द्र (च्वाइस सेंटर) के माध्यम से संचालक रोजगार एवं प्रशिक्षण की वेबसाइट cgiti.cgstate.gov.in : ऑनलाईन एप्लिकेशन 2024 पर क्लिक कर अपना आवेदन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत कोटपा एक्ट 2003 के तहत की गई चालानी कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. प्रिंस जायसवाल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत कोटपा अधिनियम 2003 के अंतर्गत जिला सूरजपुर में आज विकासखण्ड प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बस स्टैण्ड एवं अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की गई। चालानी कार्यवाही करते हुए दुकानदारों को कोटपा अधिनियम 2003 के प्रावधानों के अनुपालन हेतु समझाइश दी गई साथ ही कोटपा अधिनियम 2003 का उल्लंघन करने वालो पर चालान काटा गया तथा तम्बाकू से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में आमजनो को जागरूक भी किया गया। चालानी कार्यवाही के अंतर्गत विकासखण्ड प्रतापपुर में आज 15 चालान काटी गई जिसमें कुल राशि 3000 रूपये का चालान काटा गया। इस चालानी कार्यवाही में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, खाद्य एवं औषधि विभाग साथ ही साथ पुलिस विभाग थाना प्रतापपुर की सक्रिय भूमिका रही। जिला स्तर एवं विकास खण्ड टीम जिसमें जिला सलाहकार, डॉ. जसवंत कुमार दास, जिला औषधि निरीक्षक, जयप्रकाश शर्मा एवं थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह के द्वारा चालानी कार्यवाही किया गया। उक्त प्रकार की चालानी कार्यवाहियां संपूर्ण जिले में निरंतर रूप से की जा रही है।

आपातकाल के दौरान देश में लोकतंत्र को समाप्त कर, कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने देशवासियो का भरपूर किया दमन - डॉ राजेश मिश्रा

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी - आपातकाल की विभीषिका पर लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने अपनी त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ये सदन 1975 में देश में आपातकाल (इमरजेंसी) लगाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसके साथ ही हम, उन सभी लोगों की संकल्पशक्ति की सराहना करते हैं, जिन्होंने इमरजेंसी का पुरजोर विरोध किया, अभूतपूर्व संघर्ष किया और भारत के लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व निभाया। सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने लोकसभा में

इतिहास में 25 जून 1975 के उस दिन को हमेशा एक काले अध्याय के रूप में जाना ने देश में इमरजेंसी लगाई और बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान पर मणि दुबे ने बताया कि नवनिर्वाचित सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने मीडिया से रूबरू की जननी' के तौर पर है। भारत में हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों और वाद-संवाद का उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया गया। ऐसे भारत पर श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा तानाशाही और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया। इमरजेंसी के दौरान ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान भारत के नागरिकों के अधिकार नष्ट कर दिए गए, को आतंकवादियों जैसी यात्राएं दी गई। ये वो दौर था जब विपक्ष के नेताओं को दिया गया था। तब की तानाशाही सरकार ने मीडिया पर अनेक पाबंदियां लगा दी दिया था। इमरजेंसी का वो समय हमारे देश के इतिहास में एक 'अन्याय काल' था, के बाद उस समय की कांग्रेस सरकार ने कई ऐसे निर्णय किए, जिन्होंने हमारे और निर्दयी मेंटेनेन्स ऑफ इंटरनल सेक्योरिटी एक्ट (मीसा) में बदलाव करके मीसा के तहत गिरफ्तार लोगों को न्याय नहीं दे पाएं। मीडिया की स्वतंत्रता को किया समाप्त सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि मीडिया को सच लिखने से रोकने के लिए पार्लियामेंट्री प्रोसिडिंग्स (प्रोटेक्शन ऑफ पब्लिकेशन) रिपील एक्ट, प्रेस काउंसिल (रिपील) एक्ट और प्रिवेन्शन ऑफ पब्लिकेशन ऑफ ऑब्जेक्शनेबल मैटर एक्ट लाए गए। इस काले कालखंड में ही संविधान में 38वां, 39वां, 40वां, 41वां और 42वां संशोधन किया गया। कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए इन संशोधनों का लक्ष्य था कि सारी शक्तियां एक व्यक्ति के पास आ जाएं, न्यायपालिका पर नियंत्रण हो और संविधान के मूल सिद्धांत खत्म किए जा सकें। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का किया हनन सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि ऐसा करके नागरिकों के अधिकारों का दमन किया गया और लोकतंत्र के सिद्धांतों पर आघात किया गया। इतना ही नहीं, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कमिटेड ब्यूरोक्रेसी और कमिटेड ज्यूडिशियरी की भी बात कही, जो कि उनकी लोकतंत्र विरोधी रवैये का एक उदाहरण है। इमरजेंसी के दौरान ही लाखों हिंदुओं की कराई गई जबरदस्ती नसबंदी सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि इमरजेंसी अपने साथ ऐसी असामाजिक और तानाशाही की भावना से भरी भयंकर कुनीतियां लेकर आई, जिसने गरीबों, दलितों और वंचितों का जीवन तबाह कर दिया। इमरजेंसी के दौरान लोगों को कांग्रेस सरकार द्वारा जबरन थोपी गई अनिवार्य नसबंदी का, शहरों में अतिक्रमण हटाने के नाम पर की गई मनमानी का और सरकार की कुनीतियों का प्रहार झेलना पड़ा। ये सदन उन सभी लोगों के प्रति संवेदना जताना चाहता है। संघीय ढांचे को किया समाप्त सांसद डॉ.राजेश मिश्रा ने कहा कि1975 से 1977 का वो काला कालखंड अपने आप में एक ऐसा कालखंड है, जो हमें संविधान के सिद्धांतों, संघीय ढांचे और न्यायिक स्वतंत्रता के महत्व की याद दिलाता है। ये कालखंड हमें याद दिलाता है कि कैसे उस समय इन सभी पर हमला किया गया और क्यों इनकी रक्षा आवश्यक है। ऐसे समय में जब हम आपातकाल (इमरजेंसी) के 50वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, ये 18वीं लोकसभा, बाबा साहब आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को बनाए रखने, इसकी रक्षा करने और इसे संरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। हम भारत में लोकतंत्र के सिद्धांत, देश में कानून का शासन और शक्तियों का विकेंद्रीकरण अक्षुण्ण रखने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हम संवैधानिक संस्थाओं में भारत के लोगों की आस्था और उनके अभूतपूर्व संघर्ष, जिसके कारण इमरजेंसी का अंत हुआ, और एक बार फिर संवैधानिक शासन की स्थापना हुई, उसकी सराहना करते हैं। 1975 में आज 26 जून के दिन ही देश इमरजेंसी की क्रूर सच्चाइयों का सामना करते हुए उठा था। 1975 में आज के ही दिन तब की कैबिनेट ने इमरजेंसी का पोस्ट-फैक्टो रेटिफिकेशन किया था, इस तानाशाही और असंवैधानिक निर्णय पर मुहर लगाई थी।

बच्चों ने आज स्कूल में रखा कदम, जिले में शाला प्रवेश उत्सव की हुई शुरुआत

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-_शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बीरपुर के शाला प्रवेश उत्सव में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े हुईं शामिल बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उनके हाथों में थमायी पुस्तक 27 जून को सूरजपुर ऑडिटोरियम में जिला आज जिले के सभी 2085 शासकीय स्कूल खुल गए मनाया जा रहा है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देश हुए विभिन्न चरणों में शाला प्रवेश उत्सव मनाना आज शासकीय प्राथमिक शाला माझापरा, शासकीय सुंदरपुर इत्यादि में पूरे हर्षोल्लास के साथ विद्यार्थियों, प्रवेश उत्सव कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर का वितरण किया गया। शाला प्रवेश उत्सव के प्रथम श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज पूर्व माध्यमिक शाला बीरपुर में बच्चों के साथ शाला द्वार में बच्चों का तिलक कर और उन्हें मिठाई प्रवेश दिलाया। वहां उन्होंने बच्चों को पाठ्यक्रम की

भी किया। उन्होंने बच्चों को खूब मन लगाकर पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने आगे कहा कि ज्ञान अर्जित कर बच्चे अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण करें और समाज में अपना बहुमूल्य योगदान दें। शाला प्रवेश उत्सव के तहत कल सूरजपुर ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन भी किया जाना है। जिसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधि व अन्य गणमान्य नागरिक अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगें।

स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव लंबी छुट्टी के बाद हैं। जिनमें विभिन्न चरणों में शाला प्रवेश उत्सव पर शिक्षा विभाग ने सारी तैयारी सुनिश्चित करते सुनिश्चित किया है। शाला प्रवेश उत्सव के अंतर्गत प्राथमिक शाला सुंदरपुर, की माध्यमिक शाला शिक्षकों व प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शाला बच्चों का तिलक कर उन्हें पुस्तक व गणवेश दिवस पर आज महिला एवं बाल विकास मंत्री कराई। उन्होंने अपने गांव बीरपुर के शासकीय प्रवेश उत्सव मनाया । जहां उन्होंने स्कूल के प्रवेश खिलाकर, उनका हाथ पकड़कर उनकी कक्षा में पुस्तकों के साथ साथ शाला गणवेश का वितरण

पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस परेड़ ग्राउण्ड से नशामुक्ति हेतु सायकल रैली निकाल कर लोगो को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी - नशे के विरुद्ध लगातार जारी है सीधी पुलिस का जन जागरूकता अभियान, जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र अन्तर्गत सार्वजनिक स्थल एव स्कूल कॉलेजो में किया जा रहा जन जागरूकता कार्यक्रम। अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जारी निर्देश के बाद पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीधी श्री अरविन्द श्रीवास्तव व समस्त एसडीओपी के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में जिले भर में नुक्कड़ नाटक, चौफाल, बैनर पोस्टर लगाकर स्कूल कॉलेज मे जाकर लोगों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया जा रहा है। जिस तारतम्य सायकल रैली एवं जिले में विभिन्न सार्वजनिक में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे- दिनांक 26.06.2024 को प्रात: 06:00 बजे पुलिस सायकल रैली का आयोजन किया गया। रैली मे श्रीवास्तव, रक्षित निरीक्षक विरेन्द्र कुमरे, टी आई कोतवाली जमोड़ी, यातायात, पुलिस अधीक्षक हुआ। रैली पुलिस परेड ग्राउंड से प्रारम्भ होकर कलेक्ट्रेट तिराहा, अस्पताल चौक, सम्राट चौक वापस पुलिस परेड ग्राउंड सीधी पहुंची। रैली मे नशे का दुष्परिणाम बताते हुए नशा मुक्त होने के में अलग अलग नशामुक्ति अभियान के तहत प्रभारी रामपुर नैकिन निरी. सुधाशु तिवारी के अंतर्गत रामपुर बाजार एवं ग्राम हत्था में चौफाल जाकर उपस्थित लोगो को नशे से दूर रहने की निरी. राकेश बैस के नेतृत्व में अमिलिया पुलिस माध्यमिक विद्यालय बमुरी में उपस्थित छात्र/ मे जागरूक किया गया। थाना प्रभारी मझौली

में आज दिनांक 26.06.2024 को प्रात: स्थानो स्कूल/कॉलेज में नशामुक्ति के संबंध नशामुक्ति अभियान के तारतम्य में आज अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविन्द कोतवाली निरी. अभिषेक उपाध्याय एवं थाना कार्यालय एवं रक्षित केंद्र का बल शामिल पुलिस कंट्रोल रूम होते हुए सर्किट हाउस, होते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय होते हुए तख्तीयों एवं बैनर के माध्यम से लोगो को लिए अपील की गई। इसके साथ थाना क्षेत्रों कार्यक्रम का आयोजन किया गया- थाना नेतृत्व में रामपुर नैकिन पुलिस द्वारा थाना लगाकर नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया सपथ दिलाई गई। थाना प्रभारी अमिलिया द्वारा थाना अंतर्गत शासकीय मॉडल उच्चतर छात्राओं एवं शिक्षको को नशामुक्ति के बारे उनि दीपक बघेल के नेतृत्व में मझौली पुलिस द्वारा थाना अंतर्गत मझौली महाविद्यालय मे अनुविभागीय अधिकारी कुसमी के उपस्थिति मे छात्र/छात्राओं एवं प्राध्यापको तथा ग्राम छवारी एवं छूही में चौफाल लगाकर वहा उपस्थित लोगो को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया जाकर नशे से दूर रहने की सपथ दिलाई गई। चौकी प्रभारी मड़वास उनि केदार परौहा के नेतृत्व में मड़वास पुलिस द्वारा चौकी अंतर्गत मड़वास कालेज के छात्र/ छात्राओं एवं उपस्थित प्राध्यापको को एवं कोल बस्ती में चौफाल लगाकर वहां उपस्थित लोगो को नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया गया। उप निरीक्षक शेषमणि मिश्रा चौकी प्रभारी सिहावल थाना अमिलिया के नेतृत्व में चौकी सिहावल पुलिस द्वारा सिहावल बाजार में चौफाल लगाकर नशे से होने वाले नुकसान एवं नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया जाकर नशामुक्ति हेतु सपथ दिलाई गई। उप निरीक्षक गंगा सिंह मार्को चौकी प्रभारी खड्डी के नेतृत्व में ग्राम मोहनी में चौफाल लगाकर नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया गया। सहायक उप निरीक्षक जय नरायण श्रीवास्तव के नेतृत्व में चौकी पोड़ी थाना कुसमी पुलिस द्वारा बैगा बस्ती में नशे से होने वाले नुकसान एवं नशामुक्ति के बारे मे जागरूक किया जाकर सपथ दिलाई गई। उप निरीक्षक डी.डी. सिंह के नेतृत्व में यातायात थाना पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न चौराहो एवं बाजार मे नशामुक्ति एवं यातायात नियमो के बारे मे बैनर पोस्टर के माध्यम से जागरूक किया गया। कार्यक्रम में शामिल हुये छात्र/छात्राओं एवं उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए नशे के कारण होने वाले नुकसान के बारे मे बताया गया। गौरतलब है कि नशीले पदार्थों का समाज में तेजी से चलन बढ़ रहा है। जिसकी चपेट में नवयुवक आ रहे हैं। युवाओं में विशेष कर स्कूल/ कॉलेज के छात्र-छात्राओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशा एक ऐसा पदार्थ है जिसके प्रयोग से मानव शरीर खोखला हो जाता है। शरीर की ताकत नशे की भेंट चढ़ जाने के कारण कैंसर, जिगर का खराब होना, फेफड़ों, दिल की बीमारी, शरीर का कमजोर होना, याददाश्त कमजोर होना, एड्स, मानसिक रोग आदि की बीमारी शरीर में घर कर सकती है। नशे की आदत एक बीमारी है। ज्यादातर सामाजिक, मानसिक तथा आर्थिक रूप से कमजोर लोक ही इसका शिकार होते हैं। इस लिए उनसे सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाना चाहिए। नशे में फंसे व्यक्ति का मनोबल बढ़ाना चाहिए तथा इलाज के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही यह प्रवृत्ति इनको अपराध घटित करने के लिए भी प्रेरित करती है। आने वाले पीढ़ी को नशे से दूर कर एक सुनहरा भारत बनाने के लिए सीधी पुलिस ने यह पहल की है

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

जनेह थाना प्रभारी के सक्रियता के चलते 1200 शीशी कोरेक्स एवं लग्जरी कार सहित दो आरोपी हुए गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -आलोक मिश्रा

जनेह/त्योंथर/ रीवा पुलिस अधीक्षक के द्वारा चलाये जा रहे नशे के विरूद्ध विशेष अभियान मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार लाल एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) त्योंथर उदित मिश्रा के मार्गदर्शन में जनेह थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल के नेतृत्व में थाना

स्टॉप के सहयोग से थाना प्रभारी के सक्रियता के चलते दिनांक 25/06/24 को नेक्सान कार नंबर क्र96 ह- 5982 में लोड़कर उत्तर प्रदेश से मध्य प्रदेश में रीवा की तरफ जनेह होते हुए बिक्री करने के लिए जा रहे थे मुखबिर की सूचना पर ग्राम खभरा नई बस्ती में उपरोक्त कार को घेराबंदी कर पकडा गया जिसकी एनडीपीएस एक्ट के तहत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उपरोक्त कार से 05 नग प्लास्टिक की बोरियों में ओनरेक्स कफ शिरफ बरामद हुआ जिसे परिवहन एवं रखने के संबंध मे आरोपीगणों द्वारा कोई लायसेन्स पेश नही किया गया। उक्त बोरी में कुल 1200 शीशियों को बरामद कर जप्त किया गया। पकड़े गए आरोपियो को धारा 8,21,22 एनडीपीएस एक्ट 5/ 13 औषधि नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। गिरफ्तार आरोपियों में चित्रकूट जिले के पंकज कुमार गुप्ता पिता कालिका प्रसाद गुप्ता उम्र 32 वर्ष निवासी बरौली थाना बबेरू हाल पीताम्बरा मेडिकल कर्बी जिला चित्रकूट उ.प्र. और रोहित कुमार दुवे पिता नीलकंठ दुवे उम्र 25 वर्ष निवासी चदई मजुरा तितौली थाना मऊ जिला चित्रकूट उ.प्र. के है उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरी. कन्हैया सिंह बघेल, 124 द्वारिका पटेल, आर. 1152 अतुल सिंह, आर 1225 विभव शुक्ला आर.अनुज द्विवेदी का सराहनीय योगदान था।

नवीन कानूनों के बारे में सूरजपुर पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों को ऑनलाईन माध्यम से किया गया प्रशिक्षित

क्यूँ न लिखूँ सच -पप्पू जायसवाल

सूरजपुर। 1 जुलाई 2024 से 3 नवीन कानून लागू होंगे जिसके प्रभावी क्रियान्वयन, जिले में वृहद रूप से प्रचार-प्रसार करने और पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को कानूनों के बारे में प्रशिक्षण देने के निर्देश उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने दिए है जिसके परिपालन में बुधवार, 26 जून 2024 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

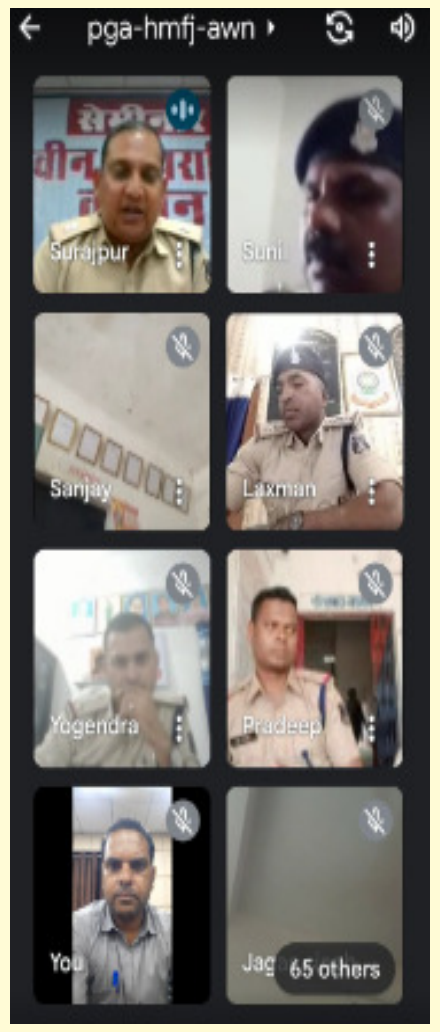

संतोष महतो ने वर्चुअल माध्यम से नवीन कानूनों का ऑनलाईन जिला स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया जिसमें 165 पुलिस अधिकारी व विवेचकगणों ने प्रशिक्षण हासिल किया। इस दौरान एएसपी संतोष महतो ने नवीन आपराधिक कानूनों के प्रत्येक पहलुओं, विवेचना की बारीकियों एवं नए धाराओं के बारे में विस्तार से बताया। विवेचना के दौरान तकनीक के माध्यम से साक्ष्य संकलन, फोटोग्राफी व विडियोग्राफी के महत्व और अनिवार्यतया तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के बारे में विस्तार से चर्चा कर कानूनी पहलु से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण में जिले के पुलिस अधिकारियों ने नए कानूनों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा कर उसका हल जाना।

अभिनेत्री गीता अग्रवाल शर्मा शर्मा ने किया सीधी सिनेमा क्लब के नवनिर्मित ऑडिटोरियम का उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच -अरुण मिश्रा

सीधी - इंद्रवती नाट्य समिति, यूसीएन मास पब्लिक स्कूल और ट्रांसफ्रेम द्वारा सीधी सिनेमा क्लब के माध्यम से हर हफ्ते नि:शुल्क और ज्ञानवर्धक फिल्में दिखाई जाती हैं जिसकी शुरुआत जून 2023 में हुई थी। सीधी सिनेमा क्लब के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन यूसीएन मास पब्लिक स्कूल में किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अभिनेत्री गीता अग्रवाल शर्मा थी। इसी अवसर पर नवनिर्मित अत्याधुनिक ऑडिटोरियम का उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इस ऑडिटोरियम में नाटक और हर रविवार सीधी सिनेमा क्लब द्वारा नि:शुल्क फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जिसमे सभी लोग शामिल हो सकते हैं। इस विशेष कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व बच्चों द्वारा योग प्रदर्शन के साथ हुई। इसके पश्चात यूसीएन मास पुब्लिक स्कूल के निदेशक सूर्य प्रकाश सिंह द्वारा बच्चों के सलेबस से इतर छात्रों को दी गई अबेकस, भारतीय धर्म-संस्कृति, सामाजिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक शिक्षा का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया। बच्चों के ज्ञान और कौशल को देख कर वहाँ मौजूद हर दर्शक चकित था। इसके उपरांत अभिनेत्री गीता शर्मा की लघु चार फिल्मों का प्रदर्शन किया गया जो सामाज,महिला और बच्चों से जुड़े मुद्दों पर आधारित थीं। फिल्मों को लोगों ने बड़ी गंभीरता के साथ देखा। फिल्मों के प्रदर्शन के बाद अभिनेत्री गीता अग्रवाल शर्मा से विंध्य अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के निदेशक प्रवीण सिंह चौहान ने उनकी फिल्मों, अभिनय प्रक्रिया और सिनेमा व मानवीय भावनाओं पर चर्चा की। चर्चा के दौरान अभिनेत्री गीता शर्मा ने कहा कि अभिनय मेरे लिए केवल संवाद अदायगी मात्र नहीं है। हम लेखक के दिए शब्दों को तो बोल ही रहे होते हैं लेकिन हम उसमे कुछ और लेयर ऐड कर सकें तो वो उस सीन को और समृद्ध बनाता है। चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि वास्तव में कोई भी इंसान बुरा नहीं होता, उसके निर्णय और व्यवहार के पीछे का कारण भूतकाल में घटित घटनाएं,परस्थितियां हैं जो उसे वैसा बना देती हैं और हमे इस बात को समझना होगा। सीधी के बारें मे बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीधी में वाकई में ऐसे काम हो रहें हैं जो बाकी जगहों पर न के बराबर दिखाई देता है फिर चाहे वो बांध सफाई अभियान हो, बच्चों की थिएटर कार्यशाला हो, सीधी सिनेमा क्लब हो या फिर बच्चों को पाठ्यक्रम के साथ भी विभिन्न विषयों और स्किल्स की शिक्षा देना हो। बातचीत के उपरांत प्रमाण पत्र और सम्मान पत्र का वितरण किया गया। इस दौरान बच्चों ने मुख्य अतिथि को विभिन्न उपहार और अपने हाथों से बने काड्र्स दिए। सीधी सिनेमा क्लब, इंद्रवती नाट्य समिति तथा यूसीएन मास पब्लिक स्कूल की तरफ से बाबूलाल कुंदेर, मनोज पाण्डे और सूर्य प्रकाश सिंह ने मुख्य अतिथि को सम्मान पत्र तथा मोमेंटों भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन नीरज कुंदेर ने किया तथा प्रकाश और ध्वनि व्यवस्था रजनीश जायसवाल व प्रजीत साकेत ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बच्चों के माता पिता एवं शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मोटर सायकल से गांजा परिवहन करने के मामले में एक व्यक्ति को थाना जयनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -पप्पू जायसवाल

सूरजपुर। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्व सख्त कार्यवाही करते एवं क्षेत्र में सक्रिय मुखबीर का जाल फैलाने के निर्देश दिए है। इसी तारतम्य में दिनांक 25.06.2024 को थाना जयनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि अम्बिकापुर तरफ से डिलक्स मोटर सुखरी एचएफ सायकल में एक व्यक्ति मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने हेतु ग्राम राजापुर तरफ आने वाला है। थाना जयनगर पुलिस ने सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु ग्राम राजापुर घेराबंदी लगाया जहां एचएफ डिलक्स मोटर सायकल क्रमांक सीजी 15 यू डीएफ 9377 में एक व्यक्ति आते दिखा जिसे रूकने का ईशारा करने पर गाड़ी धीरे कर वापस मोड़ने का प्रयास करने लगा जिसे पकड़ा गया। पूछताछ पर उस व्यक्ति ने अपना नाम ओमप्रकाश चौधरी पिता धनसाय उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम कोईलार टिकरा, थाना दरिमा, जिला सरगुजा का होना बताया जिसके कब्जे से 1 किलो 725 ग्राम गांजा कीमत 18 हजार रूपये का जप्त किया गया। मामले में गांजा व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर आरोपी ओमप्रकाश चौधरी के विरूद्व धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में नवपदस्थ थाना प्रभारी जयनगर नरेन्द्र सिंह, एसआई सरफराज फिरदौसी, एएसआई वरूण तिवारी, रघुवंश सिंह, सोहन सिंह, प्रधान आरक्षक राजेन्द्र एक्का, आरक्षक नीरज झा, सैनिक नोहर सिंह, अकबर व मुजाहिद सक्रिय रहे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति के परिपालन में समस्त स्कूल बसों का किया जाएगा चेकिंग

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा पारित आदेश के तारतम्य में छ.ग. शासन परिवहन विभाग की अधिसूचना ''स्कूल बस अनुज्ञा पत्र के लिए शर्तें'' जारी की गई है एवं सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा 16 बिन्दु वाले मापदंड पर वाहनों की चेकिंग के लिए निर्देशित किया गया है। जिला सड़क सुरक्षा समीति की बैठक कलेक्टर श्री रोहित व्यास की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें शैक्षिणक सत्र 2024-25 के लिए समस्त स्कूल बसों का चेकिंग किया जाना है। बैठक में दिये गये निर्देश के परिपालन में सूरजपुर जिले में संचालित समस्त स्कूल बसों का चेकिंग 30 जून रविवार को प्रातः 10:00 बजे जिला परिवहन कार्यालय सूरजपुर में किया जाना है। जिले के समस्त स्कूल संचालकों को उनके स्कूलों में संचालित स्कूल बस का निरीक्षण हेतु 30 जून को उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया।

चौकी लटोरी पुलिस ने ग्राम चौपाल लगाकर नए कानूनों, नशा से दूर रहने सहित अन्य जानकारियों से ग्रामीणों को कराया अवगत

क्यूँ न लिखूँ सच -पप्पू जायसवाल

सूरजपुर। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देने, बेहतर पुलिसिंग के साथ ही अच्छी कार्यवाही कर नागरिकों का विश्वास अर्जीत करने, नए कानूनों, नशे की कुरीतियों से लोगों को अवगत कराने और वर्तमान समय में हो रहे धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी देने ग्राम चौपाल का आयोजन करने के निर्देश थाना-चौकी प्रभारियों को दिए है। इसी परिपेक्ष्य में सोमवार, 24 जून को चौकी लटोरी पुलिस के द्वारा ग्राम मंजिरा के साप्ताहिक बाजार में ग्राम चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों व युवाओं को नशा से दूर रहने की समझाईश सहित अन्य जानकारियां दी गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित ग्राम चौपाल में नवपदस्थ चौकी प्रभारी लटोरी विराट विशी के द्वारा ग्रामीणों को आगामी दिनों में लागू होने वाले 3 नए कानूनों, साइबर क्राईम, वर्तमान में हो रहे धोखाधड़ी से जागरूक रहने की जानकारी देते हुए उनकी शिकायत-समस्याएं को जाना। मौजूद ग्रामीणों-युवाओं से चर्चा कर गांव की स्थिति के बारे में जानकारी ली और नशे से दूरी बनाने की समझाईश देते हुए नशे से होने वाली हानियों के बारे में विस्तार से बताया। ग्रामीणों को कहा कि नशे के धंधे में लिप्त लोगों की सूचना पुलिस को दे ताकि उनके विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही की जा सके। ग्रामीणों को अपराध से बचने की समझाईश दी और वर्तमान दौर में किए जा रहे फ्राड जिनमें बैंक एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी करने तथा बैंक का अधिकारी अथवा कर्मचारी बनकर मोबाइल से आधार कार्ड एवं एटीएम कार्ड की गोपनीय जानकारी प्राप्त कर बैंक खातों से रकम पार करने की घटित हो रही घटनाओं की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को देते हुए ठगी का शिकार होने से बचने की सलाह दी। यातायात नियमों की जानकारी देते हुए उसका पालन करने की अपील किया।

संक्षिप्त समाचार

बारिश शुरू होते ही जहरिले सांपों का आंतक रोज

क्यूँ न लिखूँ सच -रोशन उईके

तामिया - तामिया आदिवासी क्षेत्रों में बारिश शुरू होते ही जहरिले सांपों का आंतक रोज हो रही एक मौत यहां के अस्पतालों में नहीं सांपों से बचाव के इंजेक्शन दो दिनों में दो केश सर्प दंश होने पर एक महिला की मौत एक जिला चिकित्सालय रिफर किया गया खाश बात यह है की यहां मरिजो घायलों को एम्बुलेंस नहीं मिल पाती जिसके अभाव में दुघर्टना होने,बीमार होने, सर्पदंश जैसे मरीजों को जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा ले जाने से पहले ही दम तोड देते हैं कुछ जनप्रतिनिधि जरूर अस्पताल की व्यवस्था जानने तामिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे उन्होंने डाक्टरों स्टाफ की बैठक भी ली जिसमें जनपद पंचायत अध्यक्ष तुलसा परतेती,भाजपा नेता सतीश मिश्रा ने व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए यहां पदस्थ डाक्टरो का कहना हमारे पास स्टाफ, डाक्टरों की कमी है की कर्मचारी सालों से साठ किलोमीटर दूर छिंदवाड़ा से आना-जाना कर रहे आखिर तामिया जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्र के जनता को कब मिलेगी अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं फिलहाल कहना मुश्किल है

भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संचालित क्योस्क सेंटर बंद

क्यूँ न लिखूँ सच -रोशन उईके

तामिया - तामिया के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संचालित क्योस्क सेंटर बंद है मामला ग्राम पंचायत इटावा के क्योस्क सेंटर संचालक एवं यहां आई महिलाओं ने मिडिया से आपबीती सुनाई जबकि इटावा में बुधवार के दिन हाट-बाजार लगता है यहां से लगभग आठ से दस गांव जुड़े हैं बड़ी संख्या में लोग बाजार आते हैं लेकिन यहां क्योस्क नहीं होने से लोगों को पैसे निकालने को लेकर काफी परेशान होना पड़ता है यहां कुछ प्रायवेट क्योस्क सेंटर संचालक है जो ग्रामीणों को 100रू निकालने पर 10रू चार्ज लेते हैं प्रायवेट क्योस्क सेंटर के भरोसे ग्रामीण कब होगी ग्रामीणों की समस्या का समाधान कहना मुश्किल है

समय पर कार्य पूरा न करने वाली लापरवाह कार्यकत्रियों की सेवाएं होंगी समाप्त, सीडीपीओ

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।शासन की मंशानुसार जो लापरवाह कार्यकत्रियां हैं उन्हें सख्त लहजे में सीडीपीओ बिथरी चैनपुर विमला देवी ने चेतावनी दी है।वह समय से सरकारी काम को पूरा करें। वरना उनकी सेवाएं समाप्त करने को आलाधिकारियों को लिखकर भेज देंगी। तमाम कार्यकत्रियां समय पर विभागीय सूचनाएं नहीं उपलब्ध कराने के चलते जिले पर ब्लाक की छवि धूमिल होती है। वहीं बुधवार को गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं को लगने वाले टीकाकरण अभियान की भी जांच की गयी।भंडसर में लगभग डेढ़ बजे पहुंचीं सीडीपीओ ने बड़ी गंभीरता के सभी अभिलेखों का निरीक्षण किया।इस दौरान रूबी एएनएम, रजनी आशा, संगिनी मोनिका शर्मा,कार्यकत्री वर्षा गुप्ता सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

मध्य प्रदेश मे नशा मुक्ति जागरूक अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार तिवारी

पुलिस प्रशासन के द्वारा मध्यप्रदेश से लगे हर सीमा में की जा रही है सघन जांच इसी कड़ी में आगे रामपुर नैकिन के थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी के द्वारा बताया गया कि पुलिस प्रशासन को समाज सेवी संस्थाओं के द्वारा भी सहयोग मिल रहा है जिससे की नशा मुक्ति पर नकेल कसने में कामयाबी मिल रही है थाना प्रभारी के द्वारा आगे बताया गया कि हर परिवार के लोग अगर अपने अपने बच्चों पर ध्यान केंद्रित करें कि कही हमारे बच्चे गलत रास्ते पर तों नहीं जा रहे इसकी शुरुआत हर घर से होनी चाहिए तभी जाकर एक अच्छे समाज का निर्माण किया जा सकता है और आने वाली पीढ़ी को इस नशे की लत से छुटकारा मिल सकता है आपको बताते चलें कि फेंक बॉयफ्रेंड के डी ओ पी मुकेश तिवारी ने बताया कि आगे नशा मुक्ति के अभियान के तहत समाज को जागरूक बनाने के लिए जल्द ही मूवी बनाया जाएगा साथ ही साथ मुकेश तिवारी के द्वारा रामपुर नैकिन के थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी जी को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया है इसी दौरान समाजसेवी आंनद तिवारी के साथ अन्य लोग भी रहें मौजूद

The story of the first queen to form a women's military contingent is very impressive, Shivaji became her fan

Mallamma was trained in both education and the art of war like her brothers. She was skilled in horse riding, javelin throwing and archery. Mallamma's guru was Shankar Bhatt.

History records the names of many such women who did not limit women to only managing the household or the legacy of their father and husband, but also demonstrated the power of strength. This strength was not just the strength of a single woman, but was to make women participate in service. In this era, many women are in high positions in the Indian Army, but the credit for bringing women to this field goes to brave women like Rani Lakshmibai, Jhalkari Bai, who formed the women's army. Rani Mallamma's name is also included among these brave women, who was the first queen to form a women's military army. Introduction of Rani Mallamma- Rani Mallamma was the daughter of King Madhulinga of Sodhe (between present-day Uttara Kannada and South Goa). Like her brothers, Mallamma was trained in both education and martial arts. She was skilled in horse riding, javelin throwing and archery. Mallamma's guru was Shankar Bhatt. Marriage with the King of Belavadi - Mallamma's swayamvar was with King Ishprabhu of Belavadi. After marriage, she started helping her husband in the administrative work of the state. During this time, she prepared an army of women. This military contingent included five thousand women, which can be called the first military contingent in history. War with Maratha soldiers - Queen Mallamma also faced the huge army of Chhatrapati Shivaji and remained on the battlefield till the end with her women military troops. It is said that when Shivaji Maharaj reached Belavadi after conquering or making treaties with small and big kingdoms, his soldiers camped here in Yadavad village. King Ishprabhu of Belavadi was an admirer of Shivaji. He was preparing to welcome the Maratha ruler and his soldiers in his kingdom but the Maratha soldiers behaved inappropriately with the farmers of his kingdom, due to which the armies of both the kingdoms came face to face. Rani Mallamma, along with her women soldiers, defeated the Maratha army, killing 10 soldiers and injuring more than 200. When Shivaji came to know about this, he reprimanded his soldiers for misbehavior but due to the defeat from the women soldiers, to save his reputation, he ordered a war from Belavadi. King Ishprabhu died in the 15-day war. At that time, Rani Mallamma had a four-month-old child in her lap, yet she jumped into the battlefield. Shivaji apologized - The war went on for more than 27 days and the queen had to face defeat. The Maratha soldiers took the queen hostage to Shivaji, where Rani Mallamma strongly condemned the behavior of his soldiers. On which Shivaji apologized to her and returned the kingdom and also punished the criminal soldiers.

Homemade kajal is very beneficial for the eyes, know the easy way to make it

Women have been using kajal for centuries to enhance the beauty of the eyes. Women's makeup is not complete without applying kajal. In such a situation, whether girls do some makeup or not, but they never forget to apply kajal. Women who apply kajal daily, their eyes look very empty without kajal. Not only women but also small children are applied kajal. It is said that if kajal is applied daily in the eyes of small children, then their eyes become bigger. Kajal available in the market contains many types of chemicals, so most people are afraid of applying readymade kajal. That is why in today's article we are going to tell you the right way to make kajal at home. So that you can also make kajal at home and use it without fear. Method of making kajal at home - If you want to make kajal at home, then first of all take a diya and put ghee in it. Now put a wick in this diya and light it. Now put an almond in the fork in such a way that when the lamp is lit, its flame falls on the spoon. In this way, burn many almonds one by one and collect its flame on the spoon. When it becomes more, store it in a box. Add some coconut oil to this fine powder. After this, mix all the ingredients and keep it in the freezer. Your homemade kajal is ready. There is no chemical of any kind in this kajal, due to which you can apply it to children as well. Its benefits- If you make kajal at home and use it, then it will give a lot of relief to the eyes. Along with this, this homemade kajal works to make the eyelashes thick. There is no chemical of any kind in the kajal made at home. Rather, it has antibacterial properties, which protect the eyes from all kinds of infections. Homemade kajal helps in cleaning the dirt accumulated in the corners of the eyes. Apart from this, it also helps in preventing many eye diseases. If you use homemade kajal without chemicals on a daily basis, then it will also protect your eyes from the harmful rays of the sun. If you use homemade kajal without chemicals on a daily basis, then it will also protect your eyes from the harmful rays of the sun.

Diarrhea prevention campaign started, know how to prevent this dangerous disease

The problem of diarrhea is considered to affect people of all ages, the risk of it has been seen more in children. Diarrhea has also been the third leading cause of child mortality in India. It is considered responsible for 13% of the total deaths in children under the age of 5 every year. The government is making every effort to prevent this problem reported every year in children.

In this sequence, Union Health and Family Welfare Minister JP Nadda on Monday (June 24) launched the 'Stop Diarrhea Campaign 2024' in Delhi. The Union Health Minister said, "This is the first program that we are starting after coming to power. Earlier in the year 2014, we started 'Mission Indradhanush' to improve the health sector. In 2024, we are increasing the duration of the campaign from a fortnight to two months. In the year 2014, the mortality rate was 45 per 1000 live births, which has now come down to 32 per 1000 live births. Risk of diarrhea - Diarrhea disease is one of the major causes of mortality not only in India but globally, especially its risk has been seen more in infants and young children. It has become a big risk in developing countries like India. Thin or liquid bowel movement 3 or more times a day is called diarrhea. If it is not treated on time, it can also cause other problems like fever or bloody stools. Diarrhea can cause serious health problems due to excessive water loss from the body. Why does diarrhea occur - The main cause of diarrhea can be a virus or bacterial infection that infects your stomach. The most common cause of diarrhea in adults is norovirus which causes gastroenteritis. Rotavirus is the most common cause of diarrhea in children. You can become a victim of food poisoning due to contaminated food and drinks, this also increases the risk of diarrhea. The problem of diarrhea has been seen more during monsoon days. How to prevent diarrhea? To prevent diarrhea, it is important to avoid sources that cause infection. Wash hands thoroughly with soap and water after defecation and before and after cooking and eating food. Apart from this, rotavirus vaccine helps protect you from rotavirus infection, which is a common cause of diarrhea. To prevent stomach infection caused by food poisoning, it is also important to pay special attention to the maintenance of food.

Pradhan ji ran away from home to earn a name in singing, then drew a line in acting as well

Today is Pradhan ji's birthday. You must have understood. Yes, the Pradhan ji of Prime Video's web series 'Panchayat'. It is the magic of Raghubir Yadav's acting that people immediately recognize him by the name of his character. Raghubir Yadav has been active in the world of cinema for a long time. He has also appeared in many films. But, the recognition

he has got from 'Panchayat' is different. Technically he is not the Pradhan in the series, but his wife is the Pradhan and he is 'Pradhanpati'. But, he has become famous as Pradhan ji. Today on his special day, let us know about him. Actor Raghubir Yadav was born in Jabalpur, Madhya Pradesh. He has been interested in drama and acting since childhood. Apart from this, he has also been inclined towards singing. If there was anything he was not interested in, it was studies. Raghubir was not good at studies. His family made him take science after 10th, after which he failed. After failing, he ran away from home on the advice of his friend. Many media reports also claim that he was interested in singing, which was opposed at home and he ran away from home to make a name in singing. After running away, he worked in a drama company for Rs 2.50. According to the actor, he has run away from home two-three times, when the money ran out, he would return home. Raghubir Yadav has done an acting course from the National School of Drama. He is also very active in the world of theater. Talking about his career, Raghubir entered the world of cinema with the film 'Massie Sahab' in the year 1985. After this, in the year 1988, he appeared in filmmaker Mira Nair's Salaam Bombay. Raghubir Yadav got recognition in the world of acting from the TV serial Mungeri Lal Ke Haseen Sapne. This TV show used to be telecast on Doordarshan in the year 1990. After this, he appeared in the serial Mulla Naseeruddin. Raghubir Yadav has worked with many big actors in films. He had a deep friendship with the late actor Irrfan Khan. Both of them worked together in the film Salaam Bombay. Raghubir was also a part of the Aamir Khan starrer film 'Lagaan'. In this film, he played the character of 'Bhura'. His acting in the film was highly praised. The actor became popular not only in films but also on OTT. He played the role of 'Pradhanji' in the popular web series 'Panchayat'. His character in the series was highly appreciated. Three seasons of this series have been released and in every season Raghubir Yadav has drawn a new line with his acting. His interest in singing has been very high since the beginning. During an interview, he said that he used to secretly run away from home at night to listen to Qawwali. The song 'Mehangai Daayan Khaaye Jaat Hai' sung by 'Raghubir Yadav' in the film Peepli Live became very popular. Apart from this, Raghubir has also sung and composed songs for many films.

Release date of 'Emergency' announced, know when the film will hit the big screen

Kangana Ranaut was very busy in the Lok Sabha elections for some time. This had an impact on her film Emergency. Now the way for the release of the much-awaited film Emergency of the actress, who has become an MP after winning the election, has also been cleared. The information about the release of the film has been given from the official social media account of Kangana's production house Manikarnika. This film of Kangana will hit the theaters on 6 September. Manikarnika Films, while giving information about the release date of the film from Instagram handle, wrote, "The beginning of the 50th year of the darkest chapter of independent India, Kangana Ranaut's Emergency announced in theaters on 6 September 2024. The saga of the most controversial episode in the history of Indian democracy 'Emergency' in theaters worldwide on 6 September..." After the curtain was lifted from the release date of the film, the reactions of the fans have started coming to the fore. Most of the people are expressing their feelings through fire and heart emojis in the comment box of this post. From such comments of people, it can be guessed that how eagerly people are waiting for this film. Talking about the star cast of Emergency, apart from Kangana, stars like Anupam Kher, late actor Satish Kaushik, Shreyas Talpade, Mahima Chaudhary and Milind Soman will be seen in the film. This film is also directed by Kangana herself. Before this, she has also directed the film Manikarnika. Talking about the work front, Kangana was last seen on the big screen in the film Tejas. Released last year, it could not do wonders at the box office despite a lot of discussions. The film was competing with 12th Fail at the ticket window. Kangana's film was left far behind in this battle of the box office.

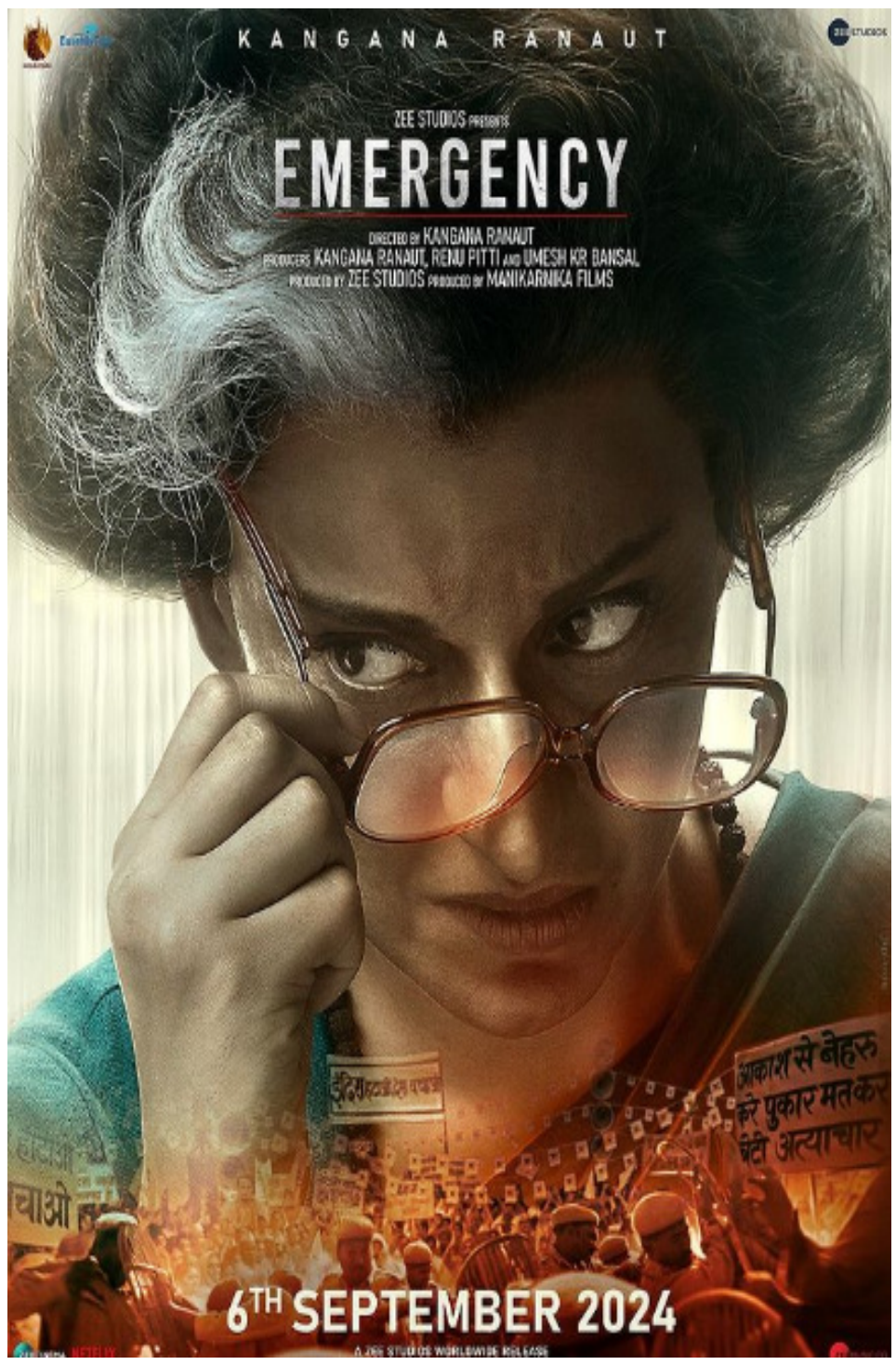

Shahid's wife Mira shared the painful story of pregnancy, said- I almost gave my daughter to her..

Shahid Kapoor's wife Mira Kapoor often remains in the headlines for her lifestyle and outspoken statements. She lives her life on her own terms and openly. Recently, during a podcast show, she was seen talking openly about a difficult phase of her life. Shahid Kapoor and Mira Kapoor are parents of two lovely children. Recently, Mira Kapoor said in an interview that, 'Many people do not know, but when I was pregnant for the first time, I was going to have a miscarriage in four months. I used to think that I am so fit, so how can this happen to me'. Continuing her talk, Mira Kapoor says, 'When I went to the doctor, he got my sonography done and the doctor told me that you will have to be admitted to the hospital right now. If you do not get admitted now, then there will be a miscarriage at any moment'. Her first pregnancy was not easy at all for Mira Kapoor. She was hospitalized for several months. Talking on this subject, Meera says, 'It had been more than two months since I was in the hospital. Seeing me upset, Shahid told the doctor that he would turn the house into a hospital, but let me go home'. Meera further says, 'When I came home, many members of my family came to surprise me. I became very excited seeing all this, but my health started deteriorating again and I had to go to the hospital again. Shahid took great care of me for the entire nine months.